

1687

1

[illegible]

वल्लभा सा राग्यदायक ॥ अथ नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कलावसासासुसुविस्मृता किं नि ययुः कयुनिः अत्र गी सा नददवपा
 दका ॥ ॐ नमो वा ॥ गच्छति नूचल गगन लोका गगन गगन मिनि गग
 नलाक नमः गगन नमः नि गगन नमः ददव गगन नमः ददव गगन नमः
 सिद्धि वदुषष्टिलका कानिथा गिनि पाद ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 शून्य ॥ रुदिनः ॥ अष्टा विंशत्समं ददव ददु नि सन मा रुगे ॥ पूर्व को न ॥

सुव
नेत्र

॥ सुवने ॥ ॐ हृत्वा सनया पूज ॥ ॐ हृत्वा महासुवलय पूज ॥ ॐ हृत्वा पीत
वर्ण निरुदहं वना हाहा तिलावनः ॥ व ॥ पुद्गलाय फका कृष्ण कचु पात
धृगामुर्तं ॥ वृषरासु हिना धनं व्यापिर्गनि विर्लं न धाः ॥ चित्तय न सुवने
दवदा त्रिर्दं नियुधा तर्त ॥ ध्यात ॥ पूजने ॥ ॐ हृत्वा ध्यानं ध्यानं ध्यानं मुखी क
द्वय पायक सुमना शकालय का की कृष्ण अनादन का किनिय गुलपू नि
विस्वानन्द देव पादका ॥ ॐ हृत्वा मायार्थे नू ॥ न तत्त्वार्जला कला गगर्त गमा

गुल
वोर्व

निस्वर्जला कत्र मृग स्वाप्रनि स्वर्गानन्द देव स्वर्गार्वा देवा वनि सनद काति
सिद्धि वनि गलद का ति या गिया पूज ॥ ॐ हृत्वा सखन मधुर्ल दक्षिका
नद संशर्त ॥ कालिमनुन संशर्त दक्षु त्रासन भासुर्त ॥ सुवने न अर्त कान
॥ ० ॥ अचन पूजन ॥ ॐ हृत्वा मकना सनया पूज ॥ ॐ हृत्वा महाजन चन पा
पूज ध्यान ॥ ॐ हृत्वा द्वयोर्दुहिम संका संमान वकर्तु यव धूर्तः ॥ शुनिहला
मनि वकु सख पाण धृगामृगाः ॥ मना पूज कव कर्तु मकना प्र संमीर्त ॥ ध्यात्वा

श्रीन
कवच
यदि

ॐ श्री सनमास्तुते ॥ सर्व वस्तु श्रुतिकान ॥ ॥ ततो ब्रह्म नन्द वस्तु ॥ ॐ श्रुतं
सनयादुका ॥ ॐ श्रुतं क कालिका देवी श्यायादुका ॥ ५॥ ॥ ॐ श्रुतं निलाश्रुतं
निरुदहं वस्तु वादु ॥ निलाचनः ॥ खड्ग रुद्र क धन देवी पूर्व पाण्डु कनद्वयः ॥
श्रुतिमास्तुतं नित्यं विष्णु संसातनात्माः ॥ ब्रह्मावस्ति ना देवी कालिका ल
विना सति ॥ ५॥ नमः ॥ ॐ श्रुतं कालि विष्णु कीर्तनाय कनू गत्वा धिक्
पञ्चाङ्गीरु ॥ ब्रह्मा हाकिनाय प्रपूजामः ॥ ॥ श्रुतं विष्णु सानन्द ववाइ

श्रुद
कल
दकि

का ॥ ॐ श्रुतं दुनील श्रुतं कला कला गग रुग मिनी श्रुतं कला
कश्रुतं संचन निश्रुतं गानन्द वस्तु श्रुतं गाम्वा देवि श्रुतं कन क कानि
सिद्धि श्रुतं गन क कानि श्यामि यायू ॥ ॐ श्रुतं श्रुता दिवा धर्ष का स श्रु
श्रुतं मिमिना पह ॥ ॥ श्रुति म कियु दाना रं क दनी सनमास्तुते ॥ ॥ श्रुतं दव
वृषाध्वम कान ॥ ॥ ततो विचतु पुत्रा ॥ ॥ श्रुतं श्रुतं पाण्डु कान ॥ ॐ श्रुतं यद्वा सन
यादुका ॥ ॐ श्रुतं कला श्रुतं सक य श्रुतं श्रुतं पायू ॥ ५॥ ॥ ॐ श्रुतं वस्तु कानि

यद्वासनया द्वा ॥ त्रैलोक्यं द्वा ग्या न ग्या कौड द्विजया द्वा ॥ ध्यान ॥ त्रैलोक्य
काठियुगीकासंयुगहसंति उल्लाचनः ॥ विद्यागृधृतायूर्ध्व उल्लावनदारुया
नानालंकावरुषाजी ॥ ००० कामसुसिद्धिदाः ॥ त्वनाजसाठकी देवा विष्णुसक्ति न
मासुत ॥ ध्यानमध्या ॥ त्रैलोक्यं नवत्वायवाजसाठकी देवि श्याया द्वा ॥ त्रैलोक्यं न
मद्यानं द्वा नानामुखाकि ॥ महीषनाभमयिवरुहवचन ॥ २१ ॥ द्वा द्वा द्वा द्वा
श्यारुट्का द्वा द्वा विद्या गत्वा विषयं यवायवाय निर्वान कालिका देवी श्याया द्वा

हायागुपुजाश्राधनसकायत्यादिश्रृष्यष्टकासनः॥७॥यश्चयुगप्रययाद्
का॥ध्यान॥७॥लाकावसुतिरादिविषमनागसमरुवाथौवनानगरूपागाति
नगदिवानुपिनाः॥मदिवानन्दयनन्यश्रृषादसुरुगधनः॥४॥खर्गैर्गुलवज्रश्चदि
लिमुदगवगथाः॥गदायध्ववनपाण्डदक्षलनविनाजिगः॥रुटकैर्जङ्गलघन
कपालखड्गैर्कम्पूयाः॥नालात्यलश्रृष्यविन्दवामरुक्विषाविनादिवान
तकिठभायाहमांरुक्लरुषीना॥॥गयद्यासमाशिनोवधयश्चासनः॥

५ ५ ५ ५

गैः॥७॥वक्रयमहादेविवाक्निदिश्वनुपिनी॥ध्यानमधु॥७॥यायीयूय्याललाट
यकनाययहापूजाकालासानन्ददवयादका॥७॥ग्रावावृत्तदवीपावृगुयादका
॥पागुमधुकुम्भावनसार्गेयार्गेन॥द्वादशार्गेःखदर्गेनपूजा॥७॥कुं कुं कुं
कुं कुं कुं कुंःसर्वोन्नतपागुयादका॥यूनषठ्ठर्गेमावाहयानिमूजा॥
अथवाअथानवजुवनीसिगुय॥३॥रुकावसुकान॥७॥ज्ञानमुक्ति
निनाकारैउकारैश्चर्ममिगः॥॥निलकलनिर्मलरूपकलुलासनमाफुर्गे॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

०॥ जेऊ गंगी लिवलि गृह २००॥ जेऊ धारवनि ॥ जेऊ मूलावलि गृह २००॥ जेऊ य
वत्सर्ग ॥ जेऊ उलामिकावलि ॥ जेऊ रीषनावलि गृह २००॥ जेऊ महानन्दा
जेऊ झालामुखा ॥ जेऊ यिसाचिवलि गृह २००॥ जेऊ रुक्मीनि ॥ जेऊ रुद्रनि ॥ जे
ऊ धूऊटी ॥ जेऊ विषरुद्र ॥ जेऊ सर्वसिद्धिवलि गृह २००॥ जेऊ शुषि ॥ जेऊ व
क्रसंकि ॥ जेऊ रुद्रकालि ॥ जेऊ रुद्रश्वलि ॥ जेऊ दीधाय ॥ जेऊ दुमाक्षी ॥ जेऊ क
लफयिय ॥ जेऊ मागगा ॥ जेऊ काकदृष्टी ॥ जेऊ गिपूलातकी ॥ जेऊ ग्राहगा

॥ उ० ध्यान नदा ॥ उ० नका की ॥ उ० विश्वरूपिनी ॥ उ० रुय कलि ॥ उ० गड
विरुम्मा ॥ उ० शुक्रगा ॥ उ० ननरा रुनि ॥ उ० विनरुड ॥ उ० मरुका लि ॥ उ०
कं कालि ॥ उ० वृकृगानना ॥ उ० कादलि ॥ उ० की मरुडा ॥ उ० वायू
यगा ॥ उ० रुयानना ॥ उ० वृद्धा ॥ उ० वैष्णवि ॥ उ० ग्राडी ॥ उ० चवाका ॥ उ०
वृष्णा ॥ उ० वानाहि ॥ उ० नाना सिंही ॥ उ० जिनाद्रुगि वलि गृह २०० ॥
गगा नृष्णा गी वलि ॥ उ० नृवर्गवक्रायनि नृ जिनार्ग रुन नाय वलि गृह २

स्वाहा ॥ उ० कवर्गमरु शु विवृरु न नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० यवर्ग
कामानिवल्लु रु न नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० ववर्ग वैष्णवि का ध रु न ना
य वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० गवर्ग वानाही उन्नत रु न नाय वलि गृह २ स्वाहा
॥ उ० यवर्ग वृद्धायनि कयावरु न नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० यवर्ग का
मृगशीष रु न नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० गवर्ग महा लक्ष्मी हात करु न ना
य वलि गृह २ स्वाहा ॥ ॥ नृष्णा रु न नाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० रुद्र कादि य वलि

गृह २ स्वाहा ॥ उ० गिरिपूना न क कामवलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० अग्निवतानाय
 वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० अग्निजिह्वा वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० काला वलि
 गृह २ स्वाहा ॥ उ० कयालि ॥ उ० कयादा ॥ उ० रामनयाय ॥ उ० हानक ॥
 उ० अचना वलि गृह २ स्वाहा ॥ ॥ दणदिग ॥ ॥ ॐ नुदिला कयाल व
 लि ॥ उ० लू ॐ नुदाय वलि गृह २ स्वाहा ॥ उ० मयमाय ॥ उ० कुनैम
 त्याय ॥ उ० वृवना ॥ उ० युवा यिथ ॥ उ० सुकु वनाय ॥ उ० ॐ

ॐ नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ऊयऊसातिनूपिलायुकासकायसाहा ॥ निर्मलं कायकुलुग्यद्वालनदीपथ
ययन ॥ ज्ञानन्यादिवल्लुहल्लोपूष्पं कादंबलि ७२ ॥ ॥ ऊऊमानस्यन्रमूककाम
यायसादायादीयरुद्रयामि । विनदव्यनकावृय ॥ ॥ खवन ॥ उऊमहासमयसं
कुनंदियाभला न्यकारुवः । नवडव्यसमाशकं कुकुशक्तनमाफुनं ॥ मयूनकाक
कुलिल ४ टि लि हावठकः ७३ गः । खवननसमाहृत्वा खवनऊर्मयमुच्यते ॥ ॥
खवन ॥ निर्माल्यं निर्मालादश्च यविठदहसाधन । पुष्पादीदीक्षितं हाकं वा कुकु

शक्तनमाफुनं ॥ अथ नृजिनास्तानरुल्लुकमृगमवचः । कुचननसमाहृत्वा
उचनऊर्मयमुच्यते ॥ ॥ खवन ॥ उऊमं चूमिं महामां सशकं वऊनकं वन ॥
षट्पकावचनं दिव्यं कुकुशक्तनमाफुनं ॥ ७४ कः ककुपणखश्च ७५ गि सयषू
मलुकः । खवननसमाहृत्वा ऊलचनऊर्मयमुच्यते ॥ ॥ सवन ॥ उऊआह्लावि
ग्या नंदीदियं बुद्धसनयवचसं । नऊा ७॥ गियदं लानकुकुशू नमाफुनं ॥
आडादि कं विदायति जीवकया ऊलसूनः । मूचनं ७॥ सवनं हृत्वा ऊउऊनयमू
वम ॥

साधन
मूलान
किंवादा
रुनद
रुनद
श्वेन
मनमलि
पिथि
सुमल
सुभुद्र
अनिद्र
कतकि
कसुल
कसुन
यतक
सुमान
रुवाठ
धात्वाव
लिफान

सर्ववन्तुमादायखवयदिखववन्तुमादायः॥दधि॥विनाममि॥संक्र
विनडवमहाभिजमदय॥सर्ववन्तुमन॥वक्रानिपृथुकायत्यादि
॥नमः॥वन्तुपदन॥ॐ॥ननविनिनामत्ययवन्तुधमादितः॥
सर्वयायदिनिमकाश्रानावातुजायन॥ॐ॥निद्यशितुवनसिद्धव
दुदियविनिगानककाक्रीकुरुदस्वाहा॥नृतयानेवमिष्ट्यःसर्वन
वन्तुमन॥सर्ववन्तुसमाक्रीत्वाउत्वाॐ॥कर्मप्रवन्तु॥॥यथमपातुरु

मन॥ॐ॥वलिथाय॥नृदंजयनिलिसन॥वाक्यथु॥ॐ॥मासा
सकिरुग्मकागियथगतिरुगातिरुनागियाकावाततस्याशाउाडिया
नयवकवसहिर्गमधु॥संस्तुतदीकिजातुकीजालीधलाक्युकनिठ
निलयंददिस्वयंवकानंशायामश्रायूर्ध्वया०यशुजतरुयकृर्गपूनि
जयविस्वर्धुतस्यागकामनूर्यमदनकेनिर्गर्गसर्वसिद्धावयव॥का
निकातार्कसमस्तवयमगिवकलालंकृर्गयागवृन्तः॥क्षान्तमधु

दिवा लिर्जयनम धुषकलीविद्रुपयस्यपयंका निह्यानन्दस्वरूपं तद्र
यविमथनं वदयकावविनिर्गुविद्याका (गयगममनरुवविमल्लंका
जाया ० लला ४ तनु वद्या फं सम संसि मिलज्जननी वृद्धा किंकिरीदा
० तनु सदा दव देवी नृकुलकुलमयानन्द धात्री स्वनगा उग्रवीर्या विन्दुरु
गा यधुरयक ननिदिद्य सिद्धा धरपा क्षान्त्या क्रिना स्वन कारुगम
दिनयवानन्द जाकि य सिद्धा क्षा कर्बकि नाना कामात रुकि रुवन त नृगा

x x x x

कुआसं नमा मि ॥ ०० गिसु कि सु ॥ नृदुया कय निलिजलया ॥ ००
संतानं मरमा (नन नृदुया मरमा नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया
यकि किता नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया
कंपा कां नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया
वः ॥ ०० नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया
नम ॥ ०० नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया नृदुया

का निर्विच निवृद्धसिद्धिर्वैतुसागरतुल्यं न स्यादवैतुसागरानाति
कुलकुमाः ॥ मधु नि सासन सु त्यादि ॥ ॐ निमगान ॥ ३ ॥
॥ स्वाजनाय नि लि सन ॥ ३ ॥ अथा स म्बन्ता मलुलाने कु मयदन
दि गान न्द शा कि शु रि मा ॥ ३ ॥ ३ ॥ वि न्या य व तु ल्कं अ कु ल कु ल ग ग
य ॥ कं वा न्य ष द्ध । व लो न य ॥ कान्य पु न व वि च तु व ॥ ३ ॥ ३ ॥
वि ॥ ३ ॥ ३ ॥ द व्या ॥ म नि म ध रु स र व रु ल क ना वि द्र पू षा रु मू दा ॥

पृष्ठ वा मा ल व र्ण य न म शिव क ला व क द वि कु ना र्थः श्राना र्थ च
न द पू ज्ञा न व न क लि न यु ग का के न वा धि का लः ॥ न स्या र्वा शि र्वा य उ
न व पु न्द र व म न व म धु दो न र्कः ॥ सं क्त न ॥ ३ ॥ ३ ॥ यि लु कु म कु ल स क ल
म लु ला का न य व ॥ ३ ॥ ३ ॥ सं क्तान वि ष म इ य स क्त न रु य क र्ग वि लु सि धि
शि वा ॥ ३ ॥ ३ ॥ म धु वि श म रु मा य रु य म न रु र्वा य स क्त न रु य क र्ग वि लु सि धि
स क्त न रु य क र्ग न म रु गु न रु र्वा य स क्त न रु य क र्ग वि लु सि धि ॥ ३ ॥ ३ ॥

शमया
नके

श्रुतिप्राप्तविधि ॥ ॥ समयान्तकवहियः ॥ उग्रदुष्काहापृथुकायवनस
हिला लजीवमाहं श्वरी कामानि निजियावर्कं यन् वंकावर्जं
वैष्णवीः वावाहा दुलमाषकं चकथिर्गं सञ्जावज कुशनीचामू
लुअवच कालु माष सदिर्गं लक्ष्मि ॥ गमला दुर्कः ॥ पृष्ठं दुष्टप ॥ ० रु
अयुवगुर्कं फेलं समवा रुमं वैनायक यालि केन वनं वलमानं म
हारुनवः साकादविपुला दुर्गा रु गवनी सर्वार्थसं सिद्धयः ॥ ॥

समयान्तकवहियः ॥ उग्रदुष्काहापृथुकायवनस
हिला लजीवमाहं श्वरी कामानि निजियावर्कं यन् वंकावर्जं
वैष्णवीः वावाहा दुलमाषकं चकथिर्गं सञ्जावज कुशनीचामू
लुअवच कालु माष सदिर्गं लक्ष्मि ॥ गमला दुर्कः ॥ पृष्ठं दुष्टप ॥ ० रु
अयुवगुर्कं फेलं समवा रुमं वैनायक यालि केन वनं वलमानं म
हारुनवः साकादविपुला दुर्गा रु गवनी सर्वार्थसं सिद्धयः ॥ ॥

श्रुयं दत्त्वा यादृका दं व न स्थ निः । अविना सौ रु वे द रु न्न ऊ ना मन म व
वः । महा व न व ऊ द हा ना ऊ श्राम क चू उ कः । स ऊ ना (ॐ रु वे द द्वि त्रा मू
श्री का ना) व कृ वं ता न सा य ना य स वं स्व क म य ष्च य ना मृ ग व स दि वी पि
यू ना रु व ऊ व ऊः । न न्द तु कु ल या गि न्मा न न्द तु कु ल रु व वः न न्द तु
द्या कु ला वा ऊ य वा न्य व न मा स्तु ते ॥ ॥ आ ह्वा वा के ॥ अथ आ स सा य द र्वा
॥ वे ऊ ऊ य न्दु दि द्या ४ रु न पा द र्प क ऊः य स त्वे ना मा मृ ग मा ऋ दा य कः न न

न सि द्धा न क म ति य वा ध कः न मा मि सा स्ता पू क या गा ना न्ता या गा
ना य कु म (ॐ ह्वा) मा ण म ल्बु ध व स्ति न् । न मा मि सि न सा ना र्थः रु व व
रु व वि धि म् आ प दा द् वि ना ला गा । सु म या वा न लं ध नाः स द्दु नि य क
या रु उ । दि द्य व कु स म लि नाः स द्दु कि क ना पु ति या व ना नाः कि न तु ॐ
ना ऋ न वा ध ना नाः द ज स्य पू स्य पू नू स्य ना ह्वा क था तु ॐ कि रु ग वा
क ऊ स ॥ या स्ता मा र्ज नू रु व नः सा स्ति ना तु व न प्र यं ॥ न म स्ता स्ता स म

ॐ नमः शिवाय ॥ नन्दु साधकाः नन्दु मानवा सिद्धाः ॥
सा सायतनं किं सम यदि गथा गिनानां । सा सा रू वि सूत्रिका व्यसना ब्रव
सिगा ॥ यस्या गुणु श्वन वकी ऊम कद व । नन्दु साधकाः सिद्धाः न
न्दु कुल दीक्षिणा । दहिनः सुखान सनुः सुखा गिनं तु द ही गथा य सा
दु सदा धारः । गवर्न जीव धारन ॥ १२ ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय
दिनाथाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ ॥ थति गयल या दा व सवन

यावः ॥ नमः शिवाय ॥ लंष था दा व पा ण ल खन नरु ली ह्य ख विय ॥
था गिनि ज्ञा दिन विन ऊन सकथ ॥ वा के यथ ॥ उ का ना नृ थ या दा थ दि
~~नि~~ ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥ ॥ नमः शिवाय ॥ नमः शिवाय ॥
सर जाल ॥ मो रु नि ॥ द व न्ना जि व द ॥ नृ नृ का नृ क था दि ॥ था गि न्या दि
सर्व आत्म आ गि व द ॥ नृ नृ नृ पूर्व ग र्ग प द था दि ॥ व स व लि वि स ऊ न
क ल ॥ मू डा ला य न ॥ रा ऊ का च रा ॥ ॥ त ना क व क यू डा ॥ य व व लि व व र्ग ॥
क य रा

कचकलिवर्गं काय ॥ वाय ॥ थुगिधूनकावमकुलयाकाव ॥ मगका
पुनयाव ॥ यवगुयवकागकादवयंयान ॥ ऊकामानका ॥ वाकाप
(थु६॥) जेजनमासुर्ववदववीचवयावागानक ॥ वावलावववाक
कंसर्वदवयवदवति ॥ साकवीसगनासर्वववगानयवमसुवि ॥ य
(थु६॥) काविविनासर्वरुगुरिकाययुजन ॥ उनाविकयथायुजायदि
सिद्धमसिद्धक ॥ सयुर्वसर्वरावायिदुम्यतायवमस्थनि ॥ मद्रग

कगनासर्वस्वस्वस्मनगगंयशावकचक्रमरुसानियूननायवि
जयायय ॥ सर्वधूनमस्कान ॥ मगनियुदवस्वविय ॥ नयुविनजन
स्ववडाववाल्पास्वसने ॥ कयथवकदसावके ॥ केकायावगन
नृगगंयदिन ॥ नृगिग्रावदनातीकियादीयजागनविद्धिसमाफ ॥
रुथादिषुतथाविषितविषिकानाविदावन ॥ रुदिसुधमसुधवा
ममदाद्वनजातय ॥ सम्वत् ७३३

१०५ नमः शिवाय नमः न्यास ॥ वज्रु श्याय ॥ रुद्रस्य धनमक
लोहं कुरु ॥ गि को न वाय ॥ कुरु वन ॥ कुरु वन ॥ कुरु वन ॥ सी बल ॥
सर्व वन ॥ कालि ॥ अउऊ ॥ इयाक ॥ नमः श्याय ॥ थू न वासय ॥
पातु पुन ॥ वक्र ॥ उर्वलु संकुन त्यादि ॥ रुद्रस्य ॥ यातु पुन यश्च
विगुर्क नमः ॥ १०६ नमः शिवाय ॥ तन्ना अथवा ठि किया कर्म क
त्या ॥ शिवादि हलिवाय ॥ अथादि ॥ पूजा ॥ अथवा लस

लिवा
य

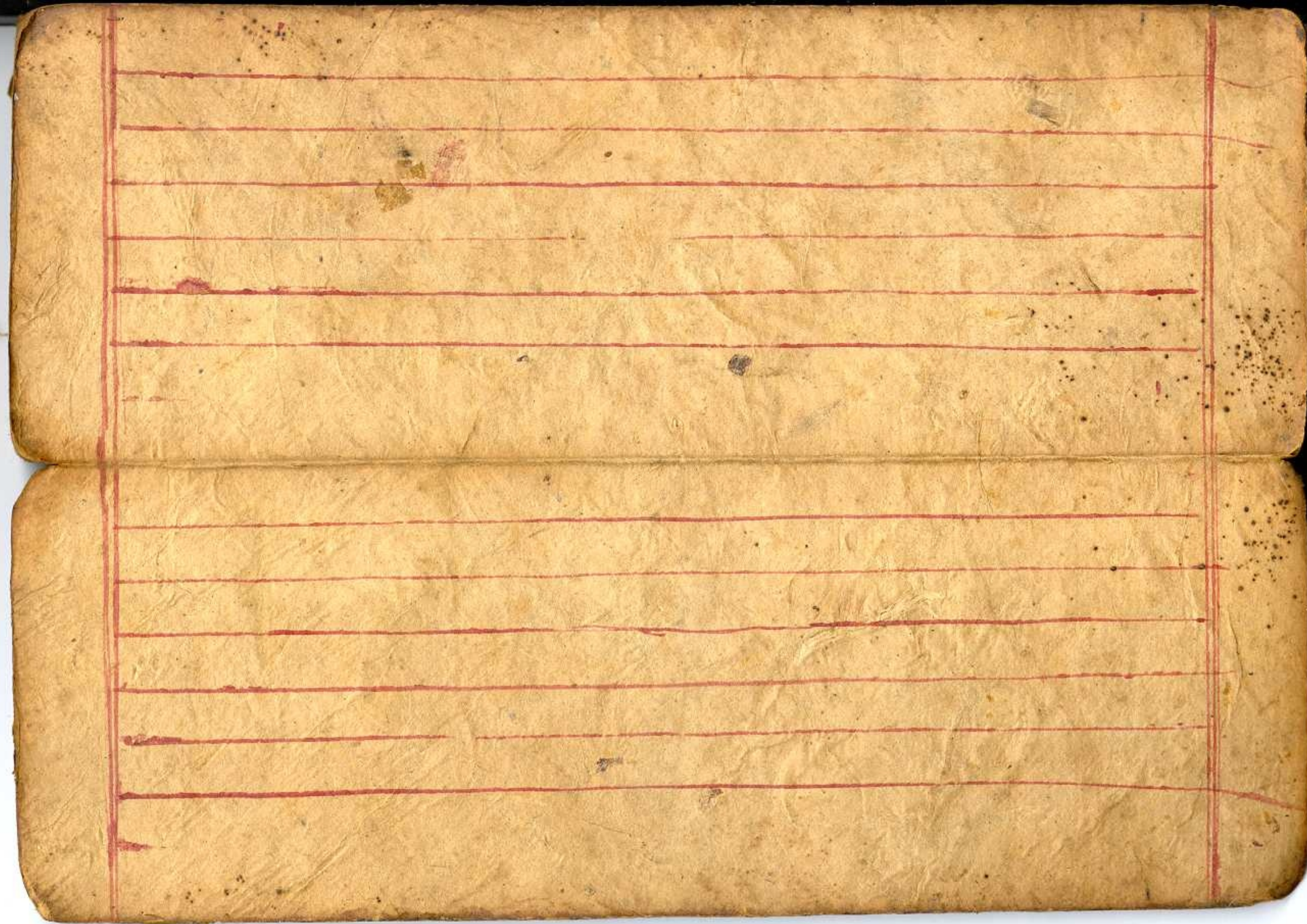
कौययाद्रका ॥ वृषासनाययाद्रका ॥ उ३ सिंहासनाययाद्रका ॥ व
 शु० गनसंयुजा ॥ ॐ शु० गद्विचन्दनववाविल्लवाद्यमवच ॥ उ३
 दकनयकुलयादयुजा नमस्तु ॥ ॐ नवासनाययाद्रका ॥
 का० कौ० शु० यानाययाद्रका ॥ व३ गनसंयुजा ॥ ॐ शु० गद्विच
 नन्दनविनयाद्यनम ॥ ॐ मयूनासनाययाद्रका ॥ उ३ कौ० कुनयुव
 नकुनाथाययाद्रका ॥ शु० गद्विचन्दनविनयाद्यनम ॥ ॐ मूसास

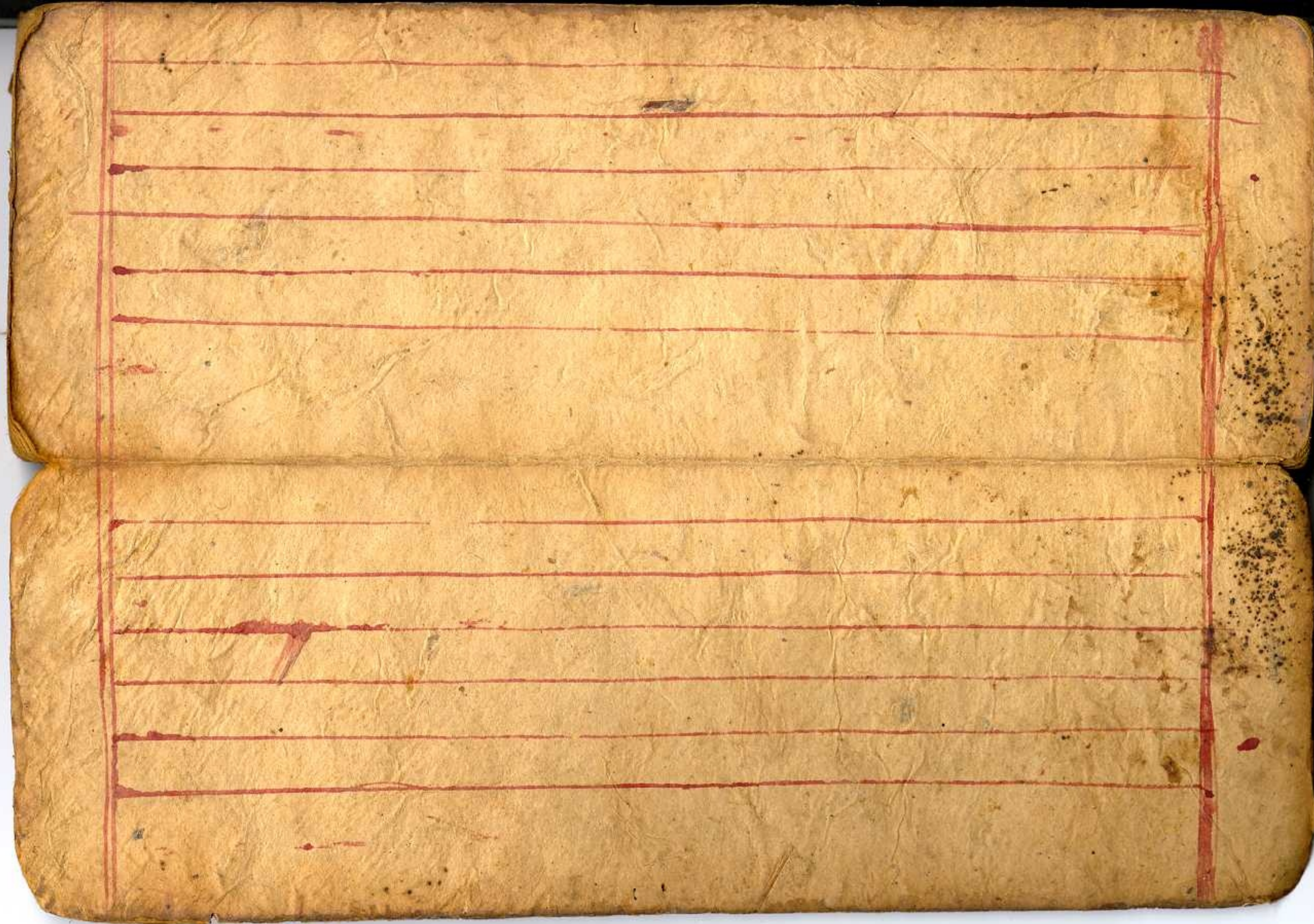
नाययादूका ॥ गंगा गुग्गुलु गलाख नायादूका ॥ गुग्गुलु वन्दन
विनयादाद्येनम ॥ अ वृषासनाययादूका ॥ शार्क ० नाथाय स्वशक्ति
दिनाययादूका ॥ विनयादाद्येनम ॥ यम्मासनायकादूका ॥ रुद्रस
नवा म्मा गुग्गुलु मन्त्रुल रुणालिकाययादूका बुक्कान्यादि ॥ रुद्रगवनि ॥
विषं कुयाकर्मय ॥ रुद्रानन्द साके रुद्रवानन्दशुभ्र सावि
गि कुर्म रुणालिकाययादूका ॥ अनेष्ट कन्द रुद्रवायाः लिवाय

पूतकाव । कर्मया काथनधान ॥ देव सक पूजादुमनयागवन ॥
आषाढ सकययादूका ॥ वृषासनाययादूका ॥ सिंहासनाययादू
का ॥ षष्ठ (गनस पूजु ॥ (धनशानी मूदा ॥ रुद्र आरुप सादयुनु
नी ॥ गलाजागवके ॥ आरुप सादयुनुल्ल ॥ गलासिद्धि वक्त्र ॥ आरु
यसाद नू पूजाशिलाकयाव । आरु सर्वथशुभ्र सिद्धि ससादहिदविः
आरु मयीमलसकिदिप । यथाभव सासावरावयं खू ४ नू नाजि

न१

१ संवेक २१५ कागिकवदि ५ स्वमनः जसुवाजयागादिस्वादि
दुष्कर्ममनयः प्रागिद्वन् दिवावियः ॥ दागकनं भादूकः
वेताकुकनं त्रिवायकः सिनातमनयाकः ॥ ~~संवेक~~
मूनकोशाः संगुदानवियधूनकाः न्यासकः कुनसाहाय
तिथियकः ॥ २३ ॥ दिवाविशः ~~विश~~ धनैकाके स
जयाना सुचविके ॥ द्वाकयाके ॥ दडाकेनहर





(2)

11
30

12